राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

LiFE Lifestyle For Environment

पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन
पर्यावरण परिसर, ई–5, अरेरा कॉलोनी
भोपाल–462016 (म.प्र.)
बेवसाईट–http://www.mpseiaa.nic.in
दूरभाषनं. – 0755–2466970, 2466859
फैक्सनं. – 0755–2462136

No: 494/ SEIAA/2025
Date: 25/05/2025

प्रति,

Shri Halke Singh,
R/o Village- Poniya, Tehsil- Majholi,
Dist- Jabalpur (M.P.)
E-mail - halkejbp2024@gmail.com

विषय :- Proposal No. SIA/MP/MIN/469383/2024- Case No P2/855/24 Prior Environment Clearance for Murrum Querry (Opencast semi mechanized method), for production capacity of 10372 cum per annum, in an area of 1.950 ha., Khasra No. 82, Village Patori Tehsil : Majhauli District: Jabalpur (M.P.) Shri Halke Singh, R/o Village- Poniya, Tehsil- Majholi, Dist- Jabalpur (M.P.)

विषयान्तर्गत प्रकरण में राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) द्वारा 760वीं बैठक दिनांक 29.05.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण अनुमति प्रदान किये जाने की अनुशंसा कर प्रकरण दिनांक 03.06.2024 को राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) को अग्रेषित किया गया। प्रश्नाधीन प्रकरण SEIAA की बैठक में विचारण नहीं होने के कारण 45 दिवस से अधिक की अवधि समाप्त हो गई है।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ईआईए अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के पैरा 8 की कंडिका (iii) इस प्रकार है - **"In the event that the decision of the regulatory authority is not communicated to the applicant within the period specified in sub-paragraphs (i) or (ii) above, as applicable, the applicant may proceed as if the environment clearance sought for has been granted or denied by the regulatory authority in terms of the final recommendations of the Expert Appraisal Committee or State Level Expert Appraisal Committee concerned."**

अतः ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार उक्त प्रकरण में SEAC की 760वीं बैठक दिनांक 29.05.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण स्वीकृति हेतु की गई अनुशंसा को अंतिम निर्णय मानते हुए राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा "Deemed Approval" माना जाकर पर्यावरण अनुमति दी जाती है। तद्नुसार प्रकरण में ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार आगामी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु आप स्वतंत्र हैं।

(प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग द्वारा अनुमोदित)

25/05/25
(श्रीमन् शुक्ला)
कार्यपालन संचालक, एप्को
एवं सदस्य सचिव, SEIAA

पृ. क्र. 495 /SEIAA/2025 भोपाल दिनांक - 25/05/2025

प्रतिलिपि:-

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
2. संयुक्त सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली - 110003।
3. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय म.प्र. शासन, मंत्रालय भोपाल (म.प्र.)।
4. अध्यक्ष, SEIAA, एप्को पर्यावरण परिसर भोपाल (म.प्र.)।
5. अध्यक्ष SEAC, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.)।
6. सदस्य सचिव, SEAC एवं सदस्य सचिव, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल।
7. कलेक्टर, जिला जबलपुर (म.प्र.)।
8. वन मंडलाधिकारी, जिला जबलपुर (म.प्र.)।
9. निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन, लिंक रोड़ नं. 03, रवि शंकर नगर, भोपाल।
10. संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश, 29-ए, खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462002।
11. खनिज अधिकारी, जिला जबलपुर (म.प्र.)।
12. संबंधित फाईल।

की ओर सूचनार्थ।

कार्यपालन संचालक, एप्को
एवं सदस्य सचिव, SEIAA

सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियॉ	राशि (रू.में)
सी.ई.आर मद से 60,000 की राशी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रोगी कल्याण समिति के खाते स्वास्थय जांच के उपकरण हेतु जमा की जावेगी।	**60,000/-**

1. **Plantation in other area.**

निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 10 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख–रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :–

कं.	वृक्षारोपण हेतु प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियॉ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	आम, अमरूद, जामुन, कटहल, मुनगा, सीताफल, एवं अन्य स्थानीय फलदार प्रजातियां	750
2	नो माईनिंग जोन में	आम, अमरूद, जामुन, कटहल, मुनगा, सीताफल, एवं अन्य स्थानीय फलदार प्रजातियां	300
3	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊॅचाई 1.5 मीटर ट्री–गार्ड के साथ)	करंज, कदम, चिरोल, जंगल जलेबी एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	350
4	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	सीताफल, आँवला, अमरूद, मुनगा, पपीता, निंबू, आम, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	2200
योग			**3600**

उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जायें एवं लीज अवधि तक उन पौधों का रख–रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन् अवधि तक किया जाये । गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड एवं अन्य उपलब्ध बीज रोपण हेतु उपर्युक्त स्थल जैसे झाड़ियों के बीच–बीच में आदि पर स्थानीय बीज बोबाई सीधे या सीडबाल बनाकर किया जावे तथा उनका सरंक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गॉव का नाम, लाभांवित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।

अनुशंसा– प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

12. **<u>Case No P2/855/24 Shri HALKE SINGH, Owner, Village- Poniya, Tehsil-Majholi, Dist- Jabalpur (M.P.) Prior Environment Clearance for Murrum querry in an area of 1.950 ha. (10372 cum per annum) (Khasra No. 82) Village Patori Tehsil : Majhauli District: Jabalpur (M.P.) SIA/MP/MIN/469383/2024 (B-2)</u>**

प्रस्तावित खदान बी–2 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 29/05/2024 को परियोजना प्रस्तावक श्री हल्के सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरूण भारद्वाज एवं सुश्री रश्मि सारस्वत, ऑनलाईन, M/s Zenith Environment Consultancy, Noida (U.P.) उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

1. परियोजना विवरण :–

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	Halke Singh S/o Late Shri Vishal Singh Village : Poniya District – Majhouli, (MP)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	शासकीय 1.95 Ha.	
स्थल	Village – Poniya, Tehsil – Majhauli & District – Jabalpur (M.P)	
लीज स्वीकृति	संचालनालय भोमिकी तथा खनिकर्म भोपाल मध्य प्रदेश के पत्र क्रमांक 11579/ खनिज/उ.प./नव/न–क्र–09/2023 भोपाल 31,8,2023 के अनुसार स्वीकृत।	
लीज का नवीनीकरण (यदि हो तो)	नहीं	
पूर्व स्वीकृत माईनिंग प्लान का वर्ष एवं तत्समय में उत्पादित स्वीकृित क्षमता एवं मात्रा।	नया प्रकरण है	
संशोधित माईनिंग प्लान का वर्ष, स्वीकृित क्षमता एवं वर्तमान में उत्पादित मात्रा।	नहीं	
स्वीकृत माईनिंग प्लान/डीएसआर अनुसार कोर्डिनेट्स मिलान की स्थिति	माईनिंग प्लान हॉ	डीएसआर हॉ
अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर का उल्लेख करें।	नहीं	
प्रकरण की स्थिति	नया प्रकरण है	
पर्यावरण सलाहकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्थल निरीक्षण	स्थल का नाम - प्रोजेक्ट साइट (पोनिया) दिनांक - 14.04. 2024	

डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	नया प्रकरण है
टॉर यदि लागू हो तो विवरण दें।	नया प्रकरण है
उत्पादन क्षमता एवं प्रतिवर्ष उत्पादन	परियोजना प्रस्तावक द्वारा मुररूम10,372 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के एकल प्रमाण–पत्र कमांक 1562/खनिज/2023–24 जबलपुर अनुसार 500 मीटर की परिधि में एक अन्य खदान है जिससे कुल रकबा ३.६५० हेक्टेर है अतः प्रकरण बी–2 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के एकल प्रमाण–पत्र कमांक 1562/खनिज/2023–24 जबलपुर अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है । (यदि 250 मीटर में वन क्षेत्र में स्थित है तो दी गई शर्तों का उल्लेख)
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के एकल प्रमाण–पत्र कमांक 1562/खनिज/2023–24 जबलपुर अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत टेमला जिला महोरा के ठहराव प्रस्ताव कमांक दिनांक 02,10,2021 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
केशर की स्थिति (लीज के बाहर या लीज क्षेत्र के अन्दर)	लीज क्षेत्र पर क्रशर प्लांट प्रस्तावित है ।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	नहीं
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	लीज क्षेत्र में से एक कच्चा रास्ता निकल रहा है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कच्चे रास्ते के दोनो ओर

	100–100 मी. का सेटबैक छोड़ा जाना प्रस्तावित किया है। अतः खनन हेतु 0.61 हे. एवं गैर खनन क्षेत्र हेतु 1.34 हे. छोड़ा गया है।
सिया में ईसी हेतु प्रकरण प्रस्तुत करने का दिनांक	नया प्रकरण है
प्रस्तावि खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट मे कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला जबलपुर के प्रमाण–पत्र क्रमांक 1967/खनिज/2023–24 जबलपुर 08.04.2024 अनुसार समलित कर लिया जाएगा
जन सुनवाई के प्रमुख बिन्दु (यदि लागू हो तो)	B2 Case

समिति ने प्रकरण के परीक्षण दौरान पाया कि लीज क्षेत्र में से एक कच्चा रास्ता निकल रहा है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कच्चे रास्ते के दोनो ओर 100–100 मी. का सेटबैक छोड़ा जाना प्रस्तावित किया है। अतः खनन हेतु 0.61 हे. एवं गैर खनन क्षेत्र हेतु 1.34 हे. छोड़ा गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नककृए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता पत्थर– 23278 घनमीटर/वर्ष है।
2. In case of change in ultimate pit block (Surface plan) due to setback imposed in accordance with order of NGT/CPC/M.P. MMR 1996 or ay environmental sensitivity. "The PP should obtain Modified Mining Plan / Scheme of mining before opening of the mine of capacity approved in EC. The Environment Management Plan Geological Plan & Section, Development plan, Conceptual Plan should be accordingly revised in the approved Mining Plan /SOM by the competent authority with respect to year-wise production."
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रू. 10.81 लाख एवं रिकरिंग राशि रू. 2.60 लाख प्रति वर्ष ।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये रू–

EMP Table (Capital & Recurring Cost)

ANNUAL EMP COST

S NO.	Particulars	Budget Provisions (Rs)	
		Capital	Recurring
1(a)	Water sprinkling facility with private water for outgoing and incoming transportation vehicles for haul and transportation.	50,000	10,000
1(b)	Cost of Water own (4000 liter capacity) 1 tanker x 300 Rs./per day X 250 days	Nil	75,000
2	Two Settling Tank [2.5m (W) x 10m (L) 2m (D)] Garland drain [461 m (L) x 2m (W) x 1.5 m(D)]	69,150	7,000
3	Prepare & Maintenance of approach road (Max. Road length 346 m , Width 6.0m) 346 m @ 500Rs./Meter	1,73,000	10,000
4	Plantation (500 plants will be planted & 1500 Distribution in the First year)	2,85,000	25,000
5	Wire Fence 575 m x 500Rs.	2,87,500	30,000
Carbon Sequestration			
6	Installation of Solar panel with the help of Gram panchayat	1,50,000	50,000
Labour Welfare			
7	Drinking Water Facility & Temporary rest shelter (11 x 15 feet)	10,000	1,000
8	Separate toilets for Male & Female No. of 2	10,000	5,000
9	Occupational health Survey 25 Labour @ 500 Rs. =12500Rs./twice per year = 25000	Nil	25,000
10	PPES to Work (Helmet shoes, gloves, goggle etc.) , 25 labor @ 1000 Rs.	25,000	5,000
11	First Aid Kits , Number of kits 5	5,000	5,000
12	Fire Safety (1 nos.) , @ 10,000	10,000	1,000
Solid Waste Management			
a.	Bins 2 Nos.	500	5,000
b.	Pit and Composed	500	
c.	Transport of Dry Waste	500	
13	Vehicle Maintenance +PUC Certification	Nil	5,000
14	Signage and Caution Board	5,000	1,000
	Total EMP Cost	10,81,150	2,60,000

3. **CSR Table**

सी.स.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 30000 तथा सी.स.आर . में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :– (भू–पवेश होने के 03 माह में राशि जमा करेंगें।)

कॉर्पोरेट पर्यावरण उत्तरदायित्व (सीईआर)		
S. No.	**Description**	**Cost to be incurred (in Rs/Year)**
1.	पोनिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार सामग्री का वितरण	30,000
	Total	**30,000**

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख–रखाव के साथ) कम से कम 2000 वृक्षों का वृक्षारोपण :–

पौधोंकीकुलसंख्या - 2000				
अवस्था	**प्रस्तावितवृक्षारोपणहेतुनियतस्थान**	**पौथोकीप्रजातियां**	**पौधोंकी संख्या**	**टिप्पणी**
प्रथमवर्ष	बैरियरजोन	नीमखमेर, सिरस(कालाऔरसफ़ेद), जंगलजलेबी, आंवला, चिरोल, करंज, सिस्सूएवंअन्यस्थानीयप्रजातियां	100	• पौधोंसेपौधोंकेबीचकीदूरी 3 मी. एवंपंक्तिसेपंक्तिकीदूरी2.5 मी. औरगड्ढेकाआकार 0.70मी. x 0.70मी. x 0.70मी. एवंगड्ढेमेंगोबरकीखादऔरशेषमिट्टीसेभराजाएगा। • परिनालीकेनिर्माणकेदौराननिकलीहुईमिट्टीमेंसूबबूल, नीम, बबूल, प्रोसोपिसऔरअन्यस्थानीयप्रजातियोंकेबीजबुवाईकीजाएगी। • ट्रेंच 45 सेमी x 45 सेमी x 45 सेमीविकसितकीजाएगी। • तारकीबाड़कीसुरक्षाकेसाथ। • गारलैंडड्रेनवसेटलिंगटैंककीबुंडपरबीजरोपणकियाजाइएगा ।रखरखावलीजपीरियडतककियाजाएगा
	परिवहन मार्ग	खमेर, चिरोल, करंज, बीजा, जंगल जलेबी, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	400	परिवहनमार्गकेदोनोंओरएकपंक्तिमें4 -5 फीटऊंचाईपौधोंकेवृक्षारोपणकिएजाएंगे। पौधोंसेपौधोंकेबीचकीदूरी 3 मी. एवंपंक्तिसेपंक्तिकीदूरी2.5 मी. औरगड्ढेकाआकार 0.70मी. x 0.70मी. x 0.70मी. एवंगड्ढेमेंगोबरकीखादऔरशेषमिट्टीसेभराजाएगा। पौधोंकीसुरक्षाहेतुप्रभावशाली 6 फीटऊंचाईकाट्रीगार्ड।
	गैर खनन क्षेत्र	खमेर, चिरोल, करंज, बीजा, जंगल जलेबी, कदम एवं अन्य स्थानीय	500	पौधोंसेपौधोंकेबीचकीदूरी 3 मी.एवंपंक्तिसेपंक्तिकीदूरी2.5मी.औरगड्ढेकाआकार 0.70मी. x 0.70मी. x 0.70मी. एवंगड्ढेमेंगोबरकीखादऔरशेषमिट्टीसेभराजाएगा। परिनालीकेनिर्माणकेदौराननिकलीहुईमिट्टीमेंसूबबूल,नीम,बबूल,प्रोसोपिसऔरअन्यस्थानीयप्रजातियोंकेबीजबुवाईकीजाएगी। ट्रेंच 45 सेमी x 45 सेमी x 45 सेमीविकसितकीजाएगी। तारकीबाड़कीसुरक्षाकेसाथ।

		प्रजातियां		
	ग्रामवासियो में वितरण हेतु	नीम, आम, कटहल, बेर, आँवला, हर्रा, महुआ, कबीट, नींबू, बहेरा, बेलएवंअन्यस्थानीयप्रजातियां	500	• ग्रामवासीइनपेड़ोंकोअपनेखेतोंकीमेड़परलगाएंगे। • गड्ढेकाआकार 0.70मी. x 0.70मी. x 0.70मी. एवंगड्ढेमेंगोबरकीखादऔरशेषमिट्टीसेभराजाएगा।
	ग्राम पंचायत आलोनीया के प्राथमिक शाला	कदम, नीम, खमेर, अशोक, सिस्सू. एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	500	• गड्ढेकाआकार 0.70मी. x 0.70मी. x 0.70मी. एवंगड्ढेमेंगोबरकीखादऔरशेषमिट्टीसेभराजाएगा। • सुरक्षाहेतुपरिसरमेंबाउंड्रीवालकीव्यवस्थाहै।

अनुशंसा– प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

13.**Case No. P2/153/24 BALVEER TOMAR,M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Sand Mine in area of 10.00 Hectare, Khasra No.- 472/2 in Village - BAARBANDH-4, Tehsil - Gaurihar, District - Chhatarpur (MP), Maximum Production - 80000 cum per annum [MIN/460316/2024]**

प्रस्तावित रेत खदान बी-1 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जो केन नदी पर स्थित है, जिसमें आज दिनांक 29/05/2024 को परियोजना प्रस्तावक के अधिकृत प्रतिनिधि श्रीबलवीर सिंह तोमर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री. मोहम्मद महमूद गौस, मेसर्स एम्पल एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड,हैदराबाद, तेलंगाना ऑफलाइन उपस्थिति।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक,परियोजना/ कम्पनी का नाम व पता	श्री बलवीर सिंह तोमर, कनिष्ठ प्रबंधक (फील्ड), मध्य प्रदेश राज्य खनन निगम लिमिटेड, भोपाल, पर्यावास भवन, ब्लॉक '1-ए', द्वितीय तल, जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)	
खसरा नं./क्षेत्रफल	472/2 (सरकारी-गैर वन भूमि)	10.00 हे.

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murrum and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.

19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    a. Lease owner's Name, Contact details etc.
    b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
    d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
    f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland

and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be $1/4^{th}$ or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.